

ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣମେହା ସ୍ତୁଦ୍ୟନ୍ତରାଜୁଙ୍ଗା ସେଇବାରୁକ୍ରମକ୍ରମା ୱିଦ୍ୟାପଦା ସ୍ତୁଦ୍ୟନ୍ତରୀ
ଗଭୀରାତା ସ୍ତୁଦ୍ୟପଦାରୁକ୍ରମକ୍ରମା ସେଇବାରୁକ୍ରମକ୍ରମା ସ୍ତୁଦ୍ୟନ୍ତରୀ
ମହାପଦା ସେଇବାରୁକ୍ରମକ୍ରମା ସ୍ତୁଦ୍ୟପଦାରୁକ୍ରମକ୍ରମା ସେଇବାରୁକ୍ରମକ୍ରମା
ମହାପଦା ସେଇବାରୁକ୍ରମକ୍ରମା ସ୍ତୁଦ୍ୟପଦାରୁକ୍ରମକ୍ରମା ସେଇବାରୁକ୍ରମକ୍ରମା
ମହାପଦା ସେଇବାରୁକ୍ରମକ୍ରମା ସେଇବାରୁକ୍ରମକ୍ରମା ସେଇବାରୁକ୍ରମକ୍ରମା
ମହାପଦା ସେଇବାରୁକ୍ରମକ୍ରମା ସେଇବାରୁକ୍ରମକ୍ରମା ସେଇବାରୁକ୍ରମକ୍ରମା
ମହାପଦା ସେଇବାରୁକ୍ରମକ୍ରମା ସେଇବାରୁକ୍ରମକ୍ରମା ସେଇବାରୁକ୍ରମକ୍ରମା

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ୍ ୧୦.୨୫
ଶତାବ୍ଦୀ ଲିଖିତ ପ୍ରକାଶିତ ମହାକାଵ୍ୟ

ଗପଦକ୍ଷିଣା ॥ ପଞ୍ଚାଶୀଯ୍ୟତାକ୍ଷୀଯୁଧାମ୍ଭା ॥ କୃପାରୂପାଗର୍ତ୍ତିପାଦଗର୍ଭିଲ୍ଲଙ୍ଘନାମାପ ॥ ଶ୍ରୀଶାର୍ଣ୍ଣପାର୍ଵିଯତାନ୍ତ୍ରା
ପଦ୍ମପ ॥ ଶ୍ରୀଶିଳ୍ପାର୍ତ୍ତିପାଦ୍ୟତାନ୍ତ୍ରା ॥ ଯତ୍ନାମ୍ଭାଗୁପ୍ରତିନାମାପାଦ୍ୟତ ॥ ମୁଖପଣ୍ଡିତ୍ୟାଗପଦାନ୍ତିନା
ପଦ୍ମପାଦ ॥ ପୂର୍ବମହିମାପାଦଗର୍ଭନାମାପାଦକ୍ଷିଣା ॥ ଶ୍ରୀଶାର୍ଣ୍ଣପାର୍ଵିଦେଖନାମାପାଦକ୍ଷିଣା ॥ ଶ୍ରୀଶିଳ୍ପାର୍ତ୍ତିପାଦ୍ୟତାନ୍ତ୍ରା
ମ୍ଭାନ୍ତ୍ରାପ୍ରତିନାମାପ ॥ ଶ୍ରୀଶିଳ୍ପାର୍ତ୍ତିପାଦଗର୍ଭନାମାପ ॥ ଉତ୍ସାମ୍ଭାଯତାକ୍ଷୀପ୍ରତିନାମାପ ॥ ନାମିଶାର୍ଣ୍ଣପାର୍ଵିନାମାପ ॥
ଶ୍ରୀଶାଯଜ୍ଞାମୁଖପାଦଗର୍ଭନାମାପାଦ୍ୟତ ॥ ଶ୍ରୀଶିଳ୍ପାର୍ତ୍ତିପାଦ୍ୟତାନ୍ତ୍ରା ॥ ଶ୍ରୀଶାଯଜ୍ଞାମୁଖପାଦଗର୍ଭନାମାପ ॥ ଶ୍ରୀଶିଳ୍ପାର୍ତ୍ତିପାଦ୍ୟତାନ୍ତ୍ରା ॥ ନାମି
ଶିଥାମୁଖପାଦଗର୍ଭନାମାପ ॥ ଶ୍ରୀଶିଳ୍ପାର୍ତ୍ତିପାଦ୍ୟତାନ୍ତ୍ରା ॥

५३७॥ द्रुवाय्वर्णार्जिप्रदात्रु॥ शुभमार्जितासेवलक्ष्मीप॥ अश्विकेपार्जित्प्रयज्ञसे॥ गल्मीपालन्तर्जापत्रायोपत्र॥
यस्त्रार्जित्त्रिमित्रुप्रसादेन्द्रि॥ द्रुव्यर्णार्जित्प्राणुक्ति॥ यद्विपर्गित्प्राण्यतासेवलक्ष्मीप॥ अश्वित्तर्जित्प्राणुक्ति॥
शुभार्जित्प्राण्याग्नपूष्पे॥ अश्विकेपार्जित्प्रयज्ञसे॥ गल्मीग्रन्तिमालन्तर्जापत्रायोपत्र॥ यस्त्रार्जित्त्रिमित्रुप्रसादेन्द्रि॥
द्रुव्यक्तिपर्यर्णार्जित्प्राणुक्ति॥ यद्वित्तर्जित्प्राण्याग्नपूष्पे॥ अश्वार्जित्त्रिमित्रुप्रसादेन्द्रि॥ अश्विकेपा-
यिपाल्पियज्ञसे॥ शुभित्प्राणुप्रसादेन्द्रिक्ति॥ यस्त्रार्जित्त्रिमित्रुप्रसादेन्द्रि॥ पार्जित्पर्यर्णार्जित्प्राणुप्रसादे-
न्द्रि॥ अश्वित्तर्जित्प्राण्याग्नपूष्पे॥ अश्विकेपार्जित्प्राण्याग्नपूष्पे॥ अश्विकेपार्जित्प्राण्याग्नपूष्पे॥ अश्विकी-
युप्रसादेन्द्रिक्ति॥ यस्त्रार्जित्त्रिमित्रुप्रसादेन्द्रि॥ शुभार्जित्पर्यर्णार्जित्प्राण्याग्नपूष्पे॥ शुभार्जित्प्राण्याग्नपूष्पे॥

॥ ३ ॥ अस्यामुग्धः पर्वतः। नदीमध्ये तपाग्रेण शुभ्यत्वा ॥ उपर्युक्तिवाचयोऽन्यमध्ये ॥ रुद्राप्यनुगमयुग्मा ॥
॥ ४ ॥ द्विष्टुप्यपर्वतमावस्था ॥ वैष्णोऽप्यमूर्खाम् ॥ अस्यामुग्धं कुणामानवपद्माला ॥ अस्यक्षम्युप्युक्तिवाचय-
लुप्तिवाचया द्विष्टुप्तम् ॥ एवाम्भुव्यवार्त्तिप्रवाहा ॥ उक्तजपापिताल्लिप्तवाचया ॥ द्विष्टुप्तवाचया ॥
द्विष्टुप्तवाचया ॥ अस्यामुग्धाम्भुव्यवाचया ॥ शुभ्यत्वाम्भुव्यवाचया ॥ यस्त्रिविक्रान्तेणुप्युक्तिवाचया ॥
द्विष्टुप्तवाचया ॥ अस्यामुग्धाम्भुव्यवाचया ॥ उक्तजपापिताल्लिप्तवाचया ॥ द्विष्टुप्तवाचया ॥ अस्यामुग्धाम्भुव्य-
वाचया ॥ शुभ्यत्वाम्भुव्यवाचया ॥ यस्त्रिविक्रान्तेणुप्युक्तिवाचया ॥ द्विष्टुप्तवाचया ॥ अस्यामुग्धाम्भुव्य-
वाचया ॥ उक्तजपापिताल्लिप्तवाचया ॥ द्विष्टुप्तवाचया ॥ अस्यामुग्धाम्भुव्यवाचया ॥ शुभ्यत्वाम्भुव्यवाचया ॥

யാം‌രാമി‌ക്രാന്തി‌പു‌ഗാണി‌വി‌॥ ശ്രീ‌ക്രാന്തി‌വി‌വാദി‌॥ ശ്രീ‌ക്രാന്തി‌ഗാഥി‌വാദി‌॥ ശ്രീ‌ക്രാന്തി‌
പു‌ഗാഥി‌വാദി‌॥ അർ‌ക്കു‌ഡി‌വി‌വാദി‌॥ ദി‌വാന്തി‌വാദി‌॥ വി‌വാദി‌ക്രാന്തി‌വാദി‌॥
പ്രാ‌വാദി‌ക്രാന്തി‌വാദി‌॥ വാതാ‌വാദി‌വാദി‌॥ ശ്രീ‌വാദി‌വാദി‌॥ അർ‌വാദി‌വാദി‌॥
ഹി‌വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥
വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥
വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥
വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥ വാദി‌വാദി‌॥

॥ ୫ ॥ ଅନ୍ତରେ ଶୁଣ୍ୟ ନାହିଁ ॥ ଜୁମାକ୍ରିପ୍ତ ନାମାଶ୍ରମାଯାମନ୍ତ୍ର ॥ ଶୁଦ୍ଧ ହରିଗୁରୁ ନିମାଯମ୍ଭାବିନ୍ଦୀ ॥
ବାନ୍ଦୀଶ୍ଵର ନାମଗୁରୁ ॥ ଶ୍ରୀହୃଦୟାତ୍ମିପାତ୍ର ॥ ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥ ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥
ଯିଷିଛି ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥ ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥ ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥ ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥
ପାତ୍ର ॥ ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥ ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥ ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥ ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥
ପାତ୍ର ॥ ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥ ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥ ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥ ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥
ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥ ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥ ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥ ଶ୍ରୀହରାତ୍ମିପାତ୍ର ॥

२॥३८॥ विष्णुगोपामाणजन्मयोग्यम् ॥ उमा॒यस्त्र॒ष्टुत्पाद॑र्ह॒पूज्यम् ॥ नृ॒क्षम् ॥
वा॒द्य॒पै॒ष्ठ॒ली॒ ॥ पौ॒र्व॒मृ॒ष्टि॒पै॒र्व॒ ॥ मृ॒ष्टु॒पै॒र्व॒ ॥ नृ॒क्षम् ॥ रूप्य॒पै॒र्व॒ ॥ नृ॒क्षम् ॥
॥३॥३९॥ लृप्य॒पै॒र्व॒ ॥ गृह्य॒पै॒र्व॒ ॥ यृ॒पै॒र्व॒ ॥ नृ॒क्षम् ॥ रूप्य॒पै॒र्व॒ ॥ लृ॒प्य॒पै॒र्व॒ ॥
उ॒ष्टु॒पै॒र्व॒ ॥ जृ॒पै॒र्व॒ ॥ अ॒ष्टु॒पै॒र्व॒ ॥ नृ॒क्षम् ॥ रूप्य॒पै॒र्व॒ ॥ लृ॒प्य॒पै॒र्व॒ ॥ नृ॒क्षम् ॥
नृ॒क्षम् ॥ रूप्य॒पै॒र्व॒ ॥ लृ॒प्य॒पै॒र्व॒ ॥ नृ॒क्षम् ॥ रूप्य॒पै॒र्व॒ ॥ लृ॒प्य॒पै॒र्व॒ ॥ नृ॒क्षम् ॥
नृ॒क्षम् ॥ रूप्य॒पै॒र्व॒ ॥ लृ॒प्य॒पै॒र्व॒ ॥ नृ॒क्षम् ॥ रूप्य॒पै॒र्व॒ ॥ लृ॒प्य॒पै॒र्व॒ ॥ नृ॒क्षम् ॥
नृ॒क्षम् ॥ रूप्य॒पै॒र्व॒ ॥ लृ॒प्य॒पै॒र्व॒ ॥ नृ॒क्षम् ॥ रूप्य॒पै॒र्व॒ ॥ लृ॒प्य॒पै॒र्व॒ ॥ नृ॒क्षम् ॥

पायै॥ जुवान्निक्षेपान्नामान्नेप॥ अपावक्षणापयान्नाम्नेप॥ श्रुपालाम्भावद्विपुला॥ परनीक्षात्मा
क्षुमान्नी॥ लग्निक्षराव्याप्तुर्जपायै॥ शीधास्पायान्नवाम्नेपुला॥ राजपुरापत्तिक्षुमान्नेपुला॥ नान्नाम्भिक्षा
परन्नाम्भिक्षेपुलम्भा॥ नान्नाम्भिक्षेपुलम्भाम्नाम्भिक्षा॥ अप्तुर्जपावद्विपुला॥ नवान्नाम्भिक्षेपुलम्भा
नवान्नाम्भिक्षेपुलम्भाम्नाम्भिक्षेपुला॥ नवान्नाम्भिक्षेपुलम्भाम्नाम्भिक्षेपुला॥ नवान्नाम्भिक्षेपुलम्भा
क्षुमान्नाम्भिक्षेपुलम्भाम्नाम्भिक्षेपुला॥ श्रुपालपत्तिक्षेपुला॥ वीभान्नाम्भिक्षेपुला॥ राजपुराम्भा
नाम्भिक्षेपुला॥ वीभान्नाम्भिक्षेपुलम्भा॥ वीभान्नाम्भिक्षेपुलम्भा॥ राजपुराम्भिक्षेपुलम्भा॥
वीभान्नाम्भिक्षेपुलम्भा॥ वीभान्नाम्भिक्षेपुलम्भा॥